

कठपुतली का सपना

एक छोटे से गाँव में, मोहन नाम का एक लड़का रहता था। उसे कठपुतलियाँ बहुत पसंद थीं। हर मेले में वह कठपुतलियों का नाच देखने ज़रूर जाता।

एक दिन, मोहन ने सोचा, "काश! मेरी खुद की एक कठपुतली होती।" उसने लकड़ी के टुकड़े इकट्ठे किए और अपने दादा जी की मदद से एक सुंदर कठपुतली बनाई। मोहन ने उसे रंग-बिरंगे कपड़े पहनाए और उसे बहुत प्यार से सँवारा।

एक रात, जब मोहन गहरी नींद में था, उसकी कठपुतली जादू से जीवंत हो गई। उसने मोहन को जगाया और कहा, "मैं तुम्हारे प्यार और मेहनत से बनी हूँ, इसलिए मैं तुम्हारी हर इच्छा पूरी करूँगी।"

मोहन ने खुशी से अपनी कठपुतली के साथ गाँव के बच्चों के लिए एक नाटक किया। सभी ने तालियाँ बजाईं और मोहन की तारीफ की।

इस तरह, मोहन का सपना पूरा हुआ, और उसकी कठपुतली ने उसे खुशी और सफलता दिलाई।